

मंजरी - 8

(1) जग जीवन में जो चिर महान्

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) कवि ने प्रभु से हर भेदभाव के अंधकार को मिटाते हुए सदैव मानव हित के लिए काम करने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना की है।

(ख) कवि 'चिर महान्' को इसलिए पाना चाहता है क्योंकि 'चिर महान्' ही सौंदर्य की परिपूर्णता एवं सत्य का प्रेमी बनकर मानव हित के लिए कार्य को ठीक से किया जा सकता है।

(ग) कवि को किसी भी प्रकार के भय-संशय एवं तर्कहीन आस्था से मुक्ति पाने के बाद ही जीवन में असली शक्ति प्राप्त हो सकती है जिससे जीवन में प्रकाश की रोशनी फैला कर ही अखिल व्यक्ति प्राप्त हो सकते हैं।

(घ) मनुष्य के हृदय के स्वर्ग का द्वार चिरकाल से भेद-भाव का अंधकार फैलने का कारण बंद है। कवि ने उसे खोलने के लिए यह रास्ता सुझाया है। सभी दिशाओं में प्रेम के प्रकाश को फैलाकर भेद-भाव के अंधकार को दूर किया जा सकता है।

(ङ) नए जीवन में कवि नया सवेरा इसलिए चाहता है ताकि वह प्रभु से अमरदान पाकर विश्व में मानव प्रजाति का कल्याण करके उनके जीवन में नया सवेरा ला सके।

(2) कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

(क) जिससे जीवन में मिले शक्ति

छूटे भय-संशय, अंध-भक्ति

मैं वह प्रकाश बन सकूँ, नाथ!

मिल जातें जिसमें अखिल व्यक्ति!

(ख) दिशि-दिशि में प्रेम-प्रभा-प्रसार

हर भेद-भाव का अंधकार,

मैं खोल सकूँ चिर मूँदे नाथ!

मानव के उर के स्वर्ग द्वार!

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) कवि चिर महान और सत्य प्राण का प्रेमी इसलिए बनना चाहता है क्योंकि सदा महान् कार्य करके एवं अपने प्राणों में सत्य भर कर ही मानवहित के लिए प्रार्थना की जा सकती है।

(ख) कवि भय-संशय और अंध भक्ति के अंधकार को दूर करने वाला प्रकाश बनना चाहता है।

(ग) कवि ने मानव हृदय के द्वार खोलने की कल्पना इसलिए की ताकि हर भेद-भाव के अंधकार को दूर करके सभी दिशाओं में प्रेम की रोशनी फैलायी जा सके।

(च) आखिरी चार पंक्तियों में कवि ने भगवान से मानव जाति का उद्धार करने के लिए अमरदान माँगा है ताकि विश्व में वह नवजीवन का सवेरा ला सकें।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (ii) सत्यप्रव

(ख) (iii) मानव (ग) (i) नया सवेरा

(5) स्वयं कीजिए।

(6) सही कथन पर (✓) का तथा गलत कथन पर (x) का निशान लगाइए—

(क) (x)

(ख) (✓)

(ग) (✓)

(घ) (x)

(7) विलोम शब्द लिखिए—

सत्य-असत्य,

प्रकाश-अंधकार

पूर्ण-अपूर्ण

जीवन-मृत्यु

अमर-नश्वर, भय-निर्भय

(8) सामानार्थी शब्द लिखिए-

विहान-सवेरा, अखिल-सर्वस्व

परित्राण-कल्याण, उर-हृदय

क्रियात्मक गतिविधियाँ-स्वयं कीजिए।

(2) बाघा जतिन

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) बाघा जतिन का जन्म 8 दिसम्बर, 1879 ई. को बंगाल में नदिया जिले के कोया नामक गाँव में अपने ननिहाल में हुआ था।

(ख) बाघा जतिन को अपनी आजीविका चलाने के लिए विदेश सरकार की नौकरी स्वीकार करनी पड़ी।

(ग) जतिन की सरकारी नौकरी सन् 1910 में 'हावड़ा षडयंत्र केस' में मुकदमा चलने के कारण छूट गई और खुफिया विभाग उनके पीछे पड़ गया।

(घ) बाघा जतिन पर सबसे ज्यादा गहरा प्रभाव अंग्रेजों द्वारा अपनी राजसत्ता के मद में भारतीयों को हीनता की दृष्टि से देखने के कारण हुआ था जो उन्हें अपमानित करने पर तुले रहते थे। एक दिन की बात है, वेल्स के राजकुमार की सवारी कोलकत्ता की एक सड़क से निकल रही थी। सड़क के दोनों ओर सैकड़ों स्त्री-पुरुषों की भीड़ खड़ी थी। वहीं बघी में कुछ भारतीय महिलाएँ भी बैठी थीं, जतिन ने देखा कि कुछ अंग्रेज उस बघी के छत पर जा बैठे और नीचे पैर लटकाकर महिलाओं के साथ अभद्रता करने लगे। यह दृश्य देखकर जतिन अपने को रोक नहीं सके। वे झपटकर छत पर बैठे अंग्रेजों पर टूट पड़े और लोगों ने देखा कि वे अंग्रेज मुँह धरती पर गिरे पड़े हैं। बाद में वे उठकर भाग खड़े हुए। एक भारतीय के हाथ मार खाने के कारण वे इतने लज्जित थे कि इस घटना की चर्चा उन्होंने किसी से भी नहीं की।

(ङ) जतिन ने क्रांतिकारी आंदोलन को संगठित करने के लिए अनेक छोटे-छोटे दलों को एक में मिलाया और उनके इस प्रयास से 'युगांतर पार्टी' और भी सुदृढ़ हुई।

(2) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए-

(क) स्वभाव (ख) वातावरण (ग) अपमानजनक (घ) साहसपूर्ण (ङ) मुकदमा।

(3) सोच-समझकर बताइए-

(क) सन् 1906 ई. में बंगाला के नदिया जिले के कोया गाँव के आसपास एक बाघ ने बड़ा आतंक मचा रखा था। मौका मिलते ही वह पशुओं को उठा ले जाता एवं कभी-कभी गाँव वालों पर आक्रमण भी कर देता था। इससे चारों ओर भय का वातावरण हो गया था।

युवा यतींद्र ने आव देखा न ताव, एक लंबा चाकू हाथ में लेकर बाघ से भिड़ने के लिए निकल पड़े। उन्हें गाँव के निकट ही अकस्मात् एक झाड़ी में बाघ दिखायी दिया। यतींद्र को देखते ही बाघ गुराया और उनकी ओर झपटा यतींद्र तो तैयार ही थे एवं वह बाघ से भिड़ गए। बाघ और यतींद्र का गुत्थम-गुत्था देखकर गाँव के लोग स्तब्ध रह गए। लेकिन गाँव वालों के आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब घायल यतींद्र के सामने बाघ जमीन पर पड़ा हुआ तड़प रहा है एवं उनकी अंतिम साँसें गिन रहा है। आमने-सामने के इस प्रसिद्ध भिड़ंत में बाघ को मार डालने की इस असाधारण घटना के बाद से यतींद्र नाथ 'बाघा जतिन' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

(ख) उन्हें व्यायाम करने, घंटों साइकिल चलाने, घुड़सवारी करने और शिकार करने का बड़ा शौक था। यही उनके हृष्ट-पुष्ट रहने का कारण था।

(ग) बाघ की घटना सन् 1906 में हुई।

(घ) राष्ट्रभक्त क्रांतिकारी यतींद्रनाथ मुखर्जी का जन्म ही दिसंबर, 1879 ई. को हुआ था।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) (i) बाघ को मारने के कारण (ख) (i) कोया गाँव में

(ग) (iii) अंग्रेज से (घ) (iii) 75 मिनट तक

(5) स्वयं कीजिए-

(6) सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (x) का निशान लगाइए-

(क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✓) (ङ) (x) ()-() ()-() ()-()

(7) मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए-

सिर से साया उठना-(अनाथ होना)-किसी ने भी सिर से माता-पिता का साया नहीं उठना चाहिए।

भनक न लगना-(पता न चलना)-तुम कब आए मुझे भनक भी नहीं लग पायी।

आँखों में खटकना-(खराब लगना)-राम श्याम की आँखों में खटकता है।

आव देखा न ताव-(बिना सोचे समझे)-जतिन ने आव देखा न ताव बाघ की हत्या कर दी।

अंतिम साँसें गिनना-(मृत्यु के नजदीक)-बाघ जतिन के सामने अपना अंतिम साँसें गिन रहा था।

(8) शब्दों से विशेषण बनाइए-

देशभक्ति, साहसी, आतंकी, प्रसिद्धि, घुड़सवारी, परेशानी, विरोधी, शिकारी, नौकरी।

क्रियात्मक गतिविधियाँ-स्वयं कीजिए।

(3) घुमक्कड़ी

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) लेखक ने घुमक्कड़ी को सर्वश्रेष्ठ आदत इसलिए कहा है क्योंकि घुमक्कड़ से बढ़कर व्यक्ति और समाज का कोई हितकारी नहीं हो सकता। दुनिया दुःख में हो चाहे सुख में, घुमक्कड़ सभी समय सहारा देते हैं।

(ख) 'तेली के कोल्हू के बैल की दुनिया' से लेखक का यह अभिप्राय है कि आधुनिक काल में घुमक्कड़ों के काम की बात कहने की आवश्यकता है, क्योंकि लोगों ने घुमक्कड़ों की कृतियों को चुराकर उन्हें गला फाड़-फाड़कर अपने नाम से प्रकाशित किया, जिससे दुनिया यह जानने लगी कि वस्तुतः तेली के कोल्हू के बैल ही दुनिया में सब कुछ करते हैं। अर्थात्, वैज्ञानिकों को डार्विन के प्रकाश में दिशा बदलनी पड़ी क्योंकि क्या डार्विन अपने महान् आविष्कार को कर सकता था अगर उसने घुमक्कड़ी का व्रत न लिया होता।

(ग) लेखक ने जैन धर्म के प्रतिष्ठापरक भ्रमण भगवान महावीर को बताया है। उन्होंने घुमक्कड़ धर्म के आचरण में छोटी से बड़ी तक सभी बाधाओं और उपाधियों को त्याग दिया था। ये प्रथम श्रेणी के घुमक्कड़ थे क्योंकि इन्होंने घर-द्वार और नारी-संतान ही नहीं बल्कि वस्त्र का भी वर्जन कर दिया था। ये आजीवन घूमते ही रहे।

(घ) लेखक ने बुद्ध और महावीर जैसे के अलावा सभी महापुरुषों से बचकर रहने के लिए कहा है क्योंकि इनके जैसे त्याग, तपस्या व सहृदयता का दावा करने वाले को दंभी कहा जाता है। ऐसे घुमक्कड़ी महापुरुष गली-गली में देखे जा सकते हैं।

(ङ) लेखक ने घुमक्कड़ को 'नकद धर्म' इसलिए कहा है क्योंकि इनके सारे प्रमाण झूठ एवं व्यर्थ होते हैं। ये हित-बंधन बाधा उपस्थित करते हैं और उल्टे-सीधे तक देते हैं।

(च) लेखक घुमक्कड़ी के लिए युवाओं को इसलिए प्रेरित करना चाहता है क्योंकि दुनिया में मानुष जन्म एक ही बार होता है और जवानी भी सिर्फ एक ही बार आता है। साहसी मनस्वी तरुण-तरुणियों को इस अवसर से हाथ नहीं धोना चाहिए।

(2) सही स्थान चुनकर खाली स्थान भरिए-

(क) हितकारी (ख) घुमक्कड़ी (ग) चिंताहीन (घ) व्रत (ङ) मानुष

(3) सोच-समझकर बताइए-

(क) प्रस्तुत अध्याय श्री राहुल सांकृत्यायन जी द्वारा रचा गया है।

(ख) हाँ, पुस्तकों के द्वारा भी घुमक्कड़ी का आनंद प्राप्त किया जा सकता है।

(ग) घुमक्कड़ व्यक्ति को चिंताहीन होना चाहिए।

(घ) घुमक्कड़ की दीक्षा उस व्यक्ति से लेनी जिसमें भारी मात्रा में हर तरह का साहस हो।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) (ii) राहुल सांकृत्यायन (ख) (i) एक बार

(ग) (iii) दोनों (घ) (i) प्रथम

(5) स्वयं कीजिए-

(6) विलोम शब्द लीखिए—

सर्वश्रेष्ठ—निक्रष्ट दुःख—सुख स्थायी—अस्थायी
विमुक्त—मुक्त महान—नीच पाप—पुण्य
आवश्यक—अनावश्यक आलोक—अंधकार

(7) पर्यायवाची शब्द लिखिए—

आलोक—किरण, ज्योति, रश्मि
माता—जननी, माँ, मम्मी
तालाब—पोखरा, जलकुंड, जलाशय
आकाश—आसमान, नभ, गगन
पृथ्वी—धरती, धरा, वसुधा
क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(4) सरस्वती वंदना

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) कवि ने किसी अन्य देवी-देवता से वर न माँगकर वीणावादिनी से ही वरदान इसलिए माँगा है क्योंकि विद्या की देवी सरस्वती ही हमारे अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर सकती हैं।

(ख) कवि ने वीणावादिनी से यह वरदान माँगा है कि वह अपने प्रिय वीणा से स्वतंत्रता की ध्वनि और उस मंत्र का संचार करें जो अमरता प्रदान करता है।

(ग) देवी सरस्वती से नई चाल, नई गाने की धुन, नई पद्यात्मक रचना, नई सुर, नई बदल जैसी गंभीर ध्वनि, आकाश में पक्षियों के समूह आदि वस्तुएँ प्रदान करने की याचना की गयी है।

(घ) देवी से प्रकाश से परिपूर्ण झरना बहाने का अनुरोध किया गया है।

(2) कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

(क) वर दे, वीणावादिनी वर दे।

प्रिय स्वतंत्र—रव

अमृत—मंत्र नव

भारत में भर दे।

(ख) नव गति, नव लय, ताल छंद नव,

नवल कंठ, नव जलद—मंद्ररव,

नव नभ के नव विहग—वृंद को

नव पर, नव स्वर दे।

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) कविता में कवि वीणावादिनी देवी सरस्वती की वंदना कर रहे हैं।

(ख) कवि संकीर्ण हृदय वाले अज्ञानरूपी अंधकार को काटने की प्रार्थना कर रहे हैं।

(ग) कवि ईश्वर से मैल एवं अंधकार को हरने के लिए कह रहे हैं।

(घ) प्रस्तुत कविता श्री सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' द्वारा रचित है।

(7) वीणावादिनी = व + ई + ण + आ + इ + द + न + ई

ज्योतिर्मय = ज + य + ओ + इ + त + मन + य + अ

निर्झर = इ + न + झ + र + अ, मंद्ररव + म + अ + द + अ + र + अ + र + अ + व + अ

स्वतंत्र = स + अ + व + अ + त + अ + त्र + उ

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (ii) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ख) (iii) सरस्वती (ग) (ii) विद्या-बुद्धि

(5) स्वयं कीजिए-

क्रियात्मक गतिविधियाँ-स्वयं कीजिए।

(5) गंगदत्त की भूल

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कुएँ में मेंढकों को पाकर प्रियदर्शन ने एक-एक कर कुछ दिनों में ही सबको सभी मेंढकों को खाकर अपनी क्षुधा शांत किया।

(ख) कुएँ से भागने के लिए गंगदत्त को प्रियदर्शन की बढ़ती भूख ने प्रेरित किया क्योंकि प्रियदर्शन ने गंगदत्त के पुत्र यमुनादत्त को ही अपना आधार बना डाला।

(ग) प्रियदर्शन ने गंगदत्त को अपना मित्र बताकर भयभीत न होने के प्रति आश्वस्त किया।

(2) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए-

(क) गंगादत्त (ख) कुएँ (ग) शत्रु (घ) यमुनादत्त (ङ) पत्नी

(3) सोच-समझकर बताइए-

(क) गंगदत्त कुएँ में रहने वाले मेंढकों का राजा था।

(ख) गंगदत्त अपने बंधु-बंधवों के कारण बहुत व्याकुल रहता था।

(ग) प्रियदर्शन को देखकर गंगदत्त के मस्तिष्क में यह विचार आया कि क्यों न इस कृष्ण सर्प को कुएँ में ले जाकर उससे उन शत्रुओं का विनाश ही करवा दिया जाए क्योंकि कहा भी गया है कि बलवान शत्रु के साथ किसी बलवान को ही भिड़ाकर उसका नाश किया जा सकता है। इस प्रकार करने से अपना कार्य भी सिद्ध हो जाता और किसी प्रकार का कष्ट भी नहीं होता है।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) (ii) कुएँ में चलने वाले रहट के सहारे

(ख) (i) कठोर होते हैं

(ग) (i) नीच

(5) स्वयं कीजिए-

(6) विलोम शब्द लिखिए-

शत्रु-मित्र, बुद्धिमान-मूर्ख, अग्नि-जल, स्वीकार-अस्वीकार

(7) लिंग बदलकर लिखिए-

सर्प-सर्पिन, प्रियदर्शन-प्रियदर्शनी

मेंढक-मेंढकी, राजा-रानी, कुआँ-कुआँ

अपना-अपनी।

(8) भाववाचक संज्ञा बनाइए-

तीव्र-तीव्रता, शत्रु-शत्रुता, नीच-नीचता

लंबा-लंबाई, सुख-सुखी, भला-भलाई

क्रियात्मक गतिविधियाँ-स्वयं कीजिए।

(6) मास्टर जी

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) मधुसूदन ने प्रश्नों के गलत उत्तर इसलिए दिए क्योंकि कल मास्टरजी ने उसकी इतनी धुनाई की थी कि हड्डियाँ आज भी दुःख रही हैं। अतः वह बदला लेना चाहता था।

(ख) मधुसूदन ने मास्टर साहब को भगाने के लिए उनके सभी प्रश्नों का गलत एवं उल्टा-सीधा उत्तर देना शुरू कर दिया।

(ग) अजय बाबू ने मास्टरजी से तशरीफ ले जाने के लिए इसलिए कहा क्योंकि मारपीट से गधे को घोड़ा नहीं बनाया जा सकता

है बल्कि अक्सर घोड़ा ही पिटते-पिटते गधा हो जाता है।

(2) सही स्थान चुनकर खाली स्थान भरिए—

- (क) एकांकी (ख) ट्यूशन (ग) शरारती
(घ) मारपीट (ङ) हड्डियाँ

(3) सोच-समझकर बताइए—

- (क) प्रस्तुत एकांकी गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित है।
(ख) मधुसूदन तेज दिमाग का एक शरारती छात्र था।
(ग) अजय बाबू मधुसूदन के पिताजी थे।
(घ) मधुसूदन ने उद्मिज का उदाहरण केंचुआ बताया।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- (क) (i) कितना होशियार (ख) (iii) मथुरानंद
(ग) (i) अजय बाबू (घ) (ii) गलत

(5) स्वयं कीजिए—

(6) शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए—

छात्र—मदन तीव्र—बुद्धि वाला छात्र है।
होशियार—मधुसूदन बहुत होशियार है।
मिट्टी—बुरे स्वप्न पर मिट्टी डाल देनी चाहिए।
खामख्वाह—तुम खामख्वाह परेशान हो रहे हो।
मारपीट—अच्छे छात्र मारपीट नहीं करते हैं।
कमबख्त—कमबख्त, मार-मारकर मैं तुम्हारी कमर टेढ़ी कर दूँगा।

(7) किसने, किससे कहा?

- (क) अजय बाबू ने मथुरानंद से।
(ख) मथुरानंद ने अजय बाबू से।
(ग) मधुसूदन ने अजय बाबू से।
(घ) अजय बाबू ने मधुसूदन से।
(ङ) अजय बाबू ने मधुसूदन से।

(8) पर्यायवाची शब्द लिखें—

माँ—माता, जननी, वन—जंगल
पेड़—वृक्ष, तरु, पादप, आँख—नेत्र, नयन।
क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(7) अभ्यास

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

- (क) भीष्म के पिता शांतनु और माता गंगा थी।
(ख) सत्यवती के पिता ने विवाह के संबंध में यह शर्त रखी कि मैं अपनी पुत्री का विवाह शांतनु से तभी कर सकता हूँ जब राजा की मृत्यु के पश्चात मेरी कन्या का पुत्र गद्दी पर बैठेगा, भीष्म नहीं।
(ग) भीष्म ने मल्लाह के सामने यह प्रतिज्ञा की कि मैं हस्तिनापुर का सिंहासन छोड़ दूँगा और सदैव सत्यवती के पुत्र की सहायता करूँगा। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी प्रतिज्ञा की कि मैं धरती, आकाश, वायु, जल सभी को साक्षी मानकर यह कसम खाता हूँ कि मैं स्वयं भी कभी विवाह नहीं करूँगा। क्योंकि भीष्म अपने पिता को किसी भी कीमत पर दुःखी नहीं देखना चाहते थे।
(घ) जब महाभारत का युद्ध हुआ तो श्रीकृष्ण ने पांडवों का पक्ष लेते हुए कहा कि मैं अर्जुन के रथ का सारथी बनूँगा, लड़ूँगा नहीं। भीष्म ने भी जवाबी प्रतिज्ञा की कि मैं श्रीकृष्ण को शस्त्र उठाने पर विवश कर दूँगा।

भीष्म ने बाणों का प्रहार प्रारंभ किया। उनके बाणों के प्रहार से पांडवों की सेना का ऐसा संहार होने लगा कि श्रीकृष्ण को विवश होकर चक्र उठाना ही पड़ा। इसी से भीष्म की प्रतिज्ञा का महत्व समझा जाता है और “भीष्म-प्रतिज्ञा” एक कहावत हो गई। जब कोई कठिन प्रतिज्ञा करता है तो लोग उसे “भीष्म-प्रतिज्ञा” कहते हैं।

(घ) जब राजा शांतनु की मृत्यु के बाद उनके दोनों पुत्र भी मृत्यु को प्राप्त हुए तो सबके सामने मुख्य समस्या आयी कि सिंहासन पर अब कौन बैठेगा। सब लोगों ने भीष्म से उत्तराधिकारी बनने के लिए कहा। भीष्म ने स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा, “मनुष्य की प्रतिज्ञा सींक नहीं है, जो झटके से टूट जाया करती। जो एक बार कह दी गयी उससे लौटना मनुष्य की दुर्बलता और उसके चरित्र की हीनता है।” उन्होंने सिंहासन नहीं स्वीकार किया। आज जब हम देखते हैं कि एक-एक धूर-धरती के लिए लोग नाना प्रकार से पाप करते हैं, तब हमें भीष्म के कथन की महत्ता समझ में आती है।

(2) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

- (क) अनावश्यक (ख) कल्याण (ग) सुखपूर्वक
(घ) भीष्म-प्रतिज्ञा (ङ) चेष्टा।

(3) सोच-समझकर बताइए—

- (क) संसार में उसी को महान् माना गया है जिसने दूसरों के लिए अपने स्वार्थ का बलिदान किया।
(ख) राजा शांतनु की पत्नी का नाम गंगा था।
(ग) नदी के तट पर युवती ध्यान से चंचल लहरों की गति निहार रही थी।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- (क) (iii) हस्तिनापुर (ख) (ii) सत्यवती
(ग) (ii) अर्जुन (घ) (i) श्रीकृष्ण ने

(5) स्वयं कीजिए—

(6) विलोक शब्द लिखिए—

स्वार्थ—निःस्वार्थ, स्वीकार—अस्वीकार
जन्म—मृत्यु, आदर—अनादर
विश्वास—अविश्वास, स्नेह—नफरत

(7) वाक्यों में रेखांकित संज्ञा शब्दों के उचित भेद के सामने (✓) का निशान लगाइए—

- (क) जातिवाचक संज्ञा, (ख) भाववाचक संज्ञा (ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(8) शुद्ध कीजिए—

- (क) कौरवों की सेना खड़ी थी।
(ख) मैं एक शर्त पर अपनी कन्या का विवाह कर सकता हूँ।
(ग) मल्लाह ने अपनी कन्या का विवाह शांतनु से कर दिया।
(घ) भीष्म ने अनेक उपचार किए।
(ङ) भीष्म के जन्म के कुछ ही दिनों बाद गंगा राजा शांतनु को छोड़कर गंगा में समा गई थीं।

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(8) कृतयुगी विनोबा

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) गाँधी जी ने विनोबा भावे के बारे में कहा कि अपने मौलिक चिंतन से उन्होंने कताई, सफाई तथा बुनियादी शिक्षा में असामान्य क्रांति की। उनकी कताई की योग्यता के विषय में गाँधी जी का कहना था कि इसमें विनोबा जी इतने निष्णात हो गए हैं कि बहुत ही कम लोग उनकी तुलना में रखे जा सकते हैं।

(ख) विनोबा भावे ने श्रीमद्भागवद्गीता, वेदांत एवं उपनिषदों का अध्ययन किया।

(ग) आश्रम के निवासी के रूप में विनोबा भावे ने ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करने हेतु देश-सेवा करने का व्रत लिया था।

(घ) विनोबा जी ने भूदान-यज्ञ का शुभारंभ उस समय किया जब वे 10 अप्रैल को नलगुंडा जिले के पोचमपल्ली गाँव में रुके।

वहाँ के तीन हजार आबादी में से दो हजार व्यक्ति भूमिहीन थे। कुछ हरिजन आकर विनोबा भावे जी से मिले और उन्होंने अपने हाथ से खेती करने के लिए 80 एकड़ भूमि की माँग की। विनोबा जी ने प्रार्थना-सभा में यह माँग वहाँ उपस्थित लोगों के सामने रखी। तत्काल एक भाई उठ खड़े हुए और उन्होंने 100 एकड़ भूमि दे दी। यह था भूदान-गंगा का उद्गम।

(ड) देश की एकता एवं अखंडता के लिए हृदय-परिवर्तन की शक्ति अर्थात् प्रेम की शक्ति को बताया। वही देश को एक सूत्र में बाँध सकती है। अनेकता में एकता स्थापित कर सकती है और दिलों को मिला सकती है।

(2) सही स्थान चुनकर खाली स्थान भरिए—

- (क) प्रेम, चरित्र (ख) ब्रह्मचर्य
(ग) तत्त्वज्ञान (घ) आजन्म

(3) सोच-समझकर बताइए—

- (क) विनोबा जी का जन्म 11 सितम्बर, 1895 में महाराष्ट्र के गगोदा नामक ग्राम में हुआ था।
(ख) विनोबा जी की प्रारंभिक शिक्षा बड़ौदा में हुई।
(ग) विनोबा जी देश में दंडविहीन शासन मुक्त समाज की स्थापना करना चाहते थे।
(घ) विनोबा जी का एकमात्र मार्ग था—लोकशक्ति का उदय।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- (क) (i) महाराष्ट्र (ख) (iii) हृदय परिवर्तन
(ग) (ii) 15 नवम्बर, 1982 को।

(5) स्वयं कीजिए—

(6) शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए—

निष्पात—विशेषज्ञ अपने विषय में निष्पात होते हैं।
निस्पृही—विनोबा भावे एक निस्पृही व्यक्ति थे।
समन्वय—अच्छे लोग समन्वय को बहुत पसंद करते थे।
वृद्धि—जनसंख्या में वृद्धि भारत की सबसे बड़ी समस्या है।
विस्तृत—अच्छे छात्रों के पास अपने विषय का विस्तृत ज्ञान होता है।

(7) वचन बदलकर लिखिए—स्वयं कीजिए।

(8) शब्दों के सही लिंग पर (✓) का निशान लगाइए—

स्वास्थ्य—पुल्लिंग, दृष्टि—स्त्रीलिंग
आज्ञा—पुल्लिंग, परीक्षा—पुल्लिंग

(9) वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए—

- (क) मैं—व्यक्तिवाचक, कर्मवाचक
(ख) मेरे—कर्मवाचक, तुमने—व्यक्तिवाचक
(ग) तुम्हारे—कर्मवाचक, मुझे—व्यक्तिवाचक
(घ) वह—व्यक्तिवाचक
(ड) उनसे—संबंधवाचक

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

पुनरावृत्ति प्रश्न-पत्र -1

(पाठ 1 से 8 पर आधारित)

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) कवि ने मानव हृदय के द्वार खोलने की कामना इसलिए की कि ताकि हर भेद-भाव के अंधकार को दूर करके सभी दिशाओं में प्रेम की रोशनी फैलायी जा सके।

(ख) कवि संकीर्ण हृदय वाले अज्ञानरूपी अंधकार को काटने की प्रार्थना कर रहा है।

(ग) कुँए से भागने के लिए गंगदत्त को प्रियदर्शन की बढ़ती भूख ने प्रेरित किया क्योंकि प्रियदर्शन ने गंगदत्त के पुत्र यमुनादत्त

को ही अपना बना डाला।

(घ) सत्यवती के पिता ने विवाह के संबंध में यह शर्त रखी कि मैं अपनी पुत्री का विवाह शातनु से तभी करूँगा जब राजा की मृत्यु के पश्चात मेरी कन्या का पुत्र गद्दी पर बैठेगा, भीष्म नहीं।

(ङ) विनोबाजी की प्रारंभिक शिक्षा बड़ौदा में हुई थी।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (ii) सत्य प्राण (ख) (ii) विद्या—बुद्धि

(ग) (i) कठोर होते हैं (घ) (ii) सत्यवती

(ङ) (ii) 15 नवंबर 1982

(3) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

(क) साहसी (ख) हितकारी (ग) गंगदत्त

(घ) हड्डियाँ (ङ) गगोदा।

(4) स्वयं कीजिए।

(9) गिल्लू

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) लेखिका ने गिलहरी का नाम गिल्लू इसलिए रखा वह जातिवाचक संज्ञा (गिलहरी) को व्यक्तिवाचक (गिल्लू) रूप देना चाहती थीं।

(ख) गिल्लू को कौओं की चोंच का घाव लगने के बाद लेखिका उसे हौले-से उठाकर अपने कमरे में ले आई, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया। रुई की पतली सी बत्ती दूध में भिगोकर उसके नन्हें-से मुँह में लगाई, पर मुँह खुल न सका और दूध की बूँदें दोनों और लुढ़क गयीं।

कई घंटों के उपचार के बाद उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका तीसरे दिन वह इतना अच्छा और आश्वस्त हो गया कि मेरी ऊँगली अपने दो नन्हें पंजों से पकड़कर नीले काँच के मोतियों जैसी आँखों से इधर-उधर देखने लगा।

काजू उसका प्रिय खाद्य था और कई दिन काजू न मिलने पर वह खाने की अन्य चीजें या तो लेना बंद कर देता था या झूले के नीचे फेंक देता था।

(ग) भूख लगने पर गिल्लू चिक्-चिक् करके मानों वह लेखिका को सूचना देता और काजू या बिस्कुट मिल जाने पर उसी स्थिति में लिफाफे से बाहर वाले पंजों से पकड़कर उसे कुतरता रहता।

(घ) लेखिका के कमरे से बाहर जाने पर गिल्लू भी खिड़की से बाहर चला जाता और दिनभर गिलहरियों के झुंड का नेता बना, हर डाल पर उछलता-कूदता रहता और ठीक चार बजे वह खिड़की के भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता।

(ङ) लेखिका जब कुछ लिखने बैठती थीं तो अपनी ओर लेखिका का ध्यान आकर्षित करने की उसे इतनी तीव्र इच्छा होती थी कि उसने एक उपाय खोज निकाला।

गिल्लू लेखिका के पैरों तक आकर सिर से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता जब तक कि लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठतीं।

(च) सोन जूही के नीचे गिल्लू की समाधि इसलिए बनायी गयी क्योंकि वह लता उसे सबसे अधिक प्रिय थी।

(2) सही स्थान चुनकर खाली स्थान भरिए—

(क) लघुप्राण (ख) व्यक्तिवाचक (ग) कार्यकलाप (घ) चमकीली (ङ) परिचारिका

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) 'गिल्लू' नामक कहानी महादेवी वर्मा द्वारा रचित है।

(ख) गिल्लू गमले से इसलिए चिपका था क्योंकि वह घोंसले से गिर गया था और अब कौए उसमें अपना सुलभ आहार खोज रहे थे।

(ग) खिड़की पर गिलहरियाँ गिल्लू से कुछ कहने के लिए आती थीं।

(घ) गिल्लू का सबसे प्रिय खाद्य पदार्थ काजू था।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (iii) सोन जूही (ख) (ii) दूध

(ग) (i) दो वर्ष

(5) स्वयं कीजिए—

(6) विलोम शब्द लिखिए—

अच्छा—बुरा, प्रभात—सायं, रूप—कुरूप, निकट—दूर, अलग—साथ, सुलभ—दुर्लभ

(7) समानार्थी शब्द लिखिए—

उपचार—इलाज, औषधि

सघन—घनी, गहरी

आहार—भोजन, खाना

परिचारिका—सेविका, नर्स

यातना—कष्ट, दुःख

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(10) उठो धरा के अमर सपूतों

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) कवि इस पृथ्वी के अमर सपूतों को उठने के लिए इसलिए कह रहे हैं क्योंकि देश में नव चेतना और नव जागृति का आह्वान कर फिर से नए निर्माण की जरूरत है। जन-जन के जीवन में नई उमंग, उत्साह एवं प्राण इस पृथ्वी के सच्चे सपूत ही मर सकते हैं।

(ख) धरती माता की काया आज नई एवं सुनहरे रंग की हो रही है क्योंकि यहाँ की इधर-उधर की सारी कलियाँ खिल रही हैं एवं सभी फूल मुस्करा रहे हैं।

(ग) कवि संसार रूपी बगीचे को नई मंगलमय ध्वनियों से गुंजित करने को कह रहे हैं।

(2) कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

(क) युग-युग के मुरझे सुमनों में

नई-नई मुस्कान भरो।

उठो, धरा के अमर सपूतों।

पुनः नया निर्माण करो।

(ख) कली-कली खिल रही इधर,

वह फूल-फूल मुस्काया है।

धरती माँ की आज हो रही,

नई सुनहरी काया है।

(ग) सरस्वती का पावन मंदिर,

शुभ संपत्ति तुम्हारी है।

तुममें से हर बालक इसका

रक्षक और पुजारी है,

(घ) डाल-डाल पर बैठा विहग कुछ,

गए स्वरो में गाते हैं।

गुन-गुन, गुन-गुन करते भौंरे,

मस्त उधर मँडराते हैं।

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) कवि नवयुग की नयी वीणा में नया राग एवं नया गान भरने को कह रहे हैं।

- (ख) पक्षी अनेक डालों पर बैठकर नए स्वरों में गा रहे हैं।
 (ग) कवि ने इस पृथ्वी के अमर सपूतों को संबोधित किया है।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- (क) (i) मुरझे सुमनों में (ख) (i) प्रत्येक बालक
 (ग) (i) द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

(5) स्वयं कीजिए—

(6) सही अर्थ से मिलान कीजिए—

निर्माण—रचना, ज्योति—प्रकाश, नूतन—नई

पुनः—दोबारा, स्फूर्ति—उमंग

(7) विलोम शब्द लिखिए—

नूतन—प्राचीन, ज्ञान—अज्ञान, शुभ—अशुभ, सौभाग्य—दुर्भाग्य, राजा—रंक, रक्षक—भक्षक।

(8) शब्दों के तत्सम रूप लिखिए—

उमंग—उमंग, किरन—किरण

भगत—भक्त, आस—आशा

इधर—इस तरफ, सपूत—सुपुत्र

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(11) चिकित्सा के प्रवर्तक—सुश्रुत

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) भारत की एक प्राचीन नगरी है—वाराणसी। इस नगरी का अपना सैकड़ों वर्ष पुराना वैभवशाली इतिहास है। हमेशा से यह नगरी शिक्षा का बड़ा केंद्र रही है। प्राचीन काल में यह काशी राज्य की राजधानी थी।

(ख) सुश्रुत ने मानव शरीर के भीतरी अंगों की जानकारी प्राप्त करने की एक अनूठी विधि खोज निकाली थी। मृत शरीर को पहले किसी वजनदार वस्तु के साथ बाँधकर किसी छोटी-सी नहर में डाल ऊतक फूल जाते थे, तब झाड़ियों और लताओं से बने बड़े-बड़े ब्रुशों द्वारा उन्हें शरीर से अलग कर दिया जाता था। इससे शरीर के आंतरिक अंगों की रचना स्पष्ट हो जाती थी।

(ग) फटी हुई आँतों के दो किनारों को जोड़ने के लिए सुश्रुत द्वारा खोजी गई तकनीक को विलक्षण इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसके लिए वे एक किस्म के चींटों का उपयोग करते थे। फटी हुई आँख के दो किनारों को साथ मिलाकर उस पर चींटे छोड़ दिए जाते थे। वे चींटे अपने दाँतों से उस पर चिपक जाते थे, जिससे फटी हुई आँत के दो किनारे आपस में सिल-से जाते। कुछ ही दिनों में आँत का घाव भर जाता था। साथ ही चींटों का सिर भी ऊतकों में अपने आप घुल-मिल जाता था।

(घ) सुश्रुत संहिता में शल्य-चिकित्सा विज्ञान के लगभग हर महत्वपूर्ण पहलू पर विस्तृत जानकारी दी गयी है। जैसे—ऑपरेशन के बाद क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए, रोगी का आहार कैसा होना चाहिए, घाव भर जाए इसके लिए कौन-कौन सी औषधियाँ देनी चाहिए आदि।

(2) सही स्थान चुनकर खाली स्थान भरिए—

(क) स्वर्णिम (ख) वैभवशाली (ग) अवतार (घ) विशद (ङ) शल्यक्रियाएँ

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) चिकित्साशास्त्रियों के आयुर्वेद के माध्यम से असाध्य रोगों को सफलतापूर्वक ठीक कर दिखाया। उन्हें शल्य क्रिया करने में भी महारत हासिल थी।

(ख) आयुर्वेद पाठशाला में सिर्फ उन्हें ही प्रवेश मिलता था। जिनका मन मानव-सेवा और प्रेम से ओत-प्रोत होता था एवं जिनमें साधना और कठोर परिश्रम करने की लगन होती थी।

(ग) शल्य क्रिया के दौरान रोगी को कष्ट न होने देने के लिए कुछ ऐसी सक्षम जड़ी-बूटियाँ भी खोज निकाली गयी थी जिनके देने से रोगी गहरी नींद में सो जाता था।

(घ) ईसा से 600 वर्ष पूर्व और 1000 ई. तक का समय भारतीय चिकित्सा विज्ञान के लिए स्वर्णिम युग था। क्योंकि इसी

समयावधि में आत्रेय, जीवक, चरक और वाग्भट्ट जैसे बहुत सारे यशस्वी चिकित्सा शास्त्रियों ने भारत की पावनभूमि पर जन्म लिया।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- (क) (i) चिकित्सा विज्ञान की (ख) (i) राजा दिवोदास
(ग) (ii) 120 (घ) (i) 101

(5) स्वयं कीजिए।

(6) शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए—

मानव—सेवा—मानव—सेवा को सर्वश्रेष्ठ—सेवा कहा जाता है।
प्रशिक्षण—विशेषज्ञ बनने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।
प्रतिज्ञा—सत्य बोलने की प्रतिज्ञा सबको करनी चाहिए।
चिकित्सा—आधुनिक चिकित्सा में लगभग सभी बीमारियों का इलाज होता है।
निर्मल—अच्छे व्यक्तियों का मन निर्मल होता है।

(7) कर्तृवाच्य वाक्यों को कर्मवाच्य वाक्यों में बदलिए—

- (क) हर महत्वपूर्ण पहलू पर विस्तृत जानकारी सुश्रुत द्वारा दी गई है।
(ख) बहुत-सी जड़ी-बूटियों की खोज उनके द्वारा की गई थी।
(ग) झाड़ियों और लताओं द्वारा बने बुश ऊतकों को शरीर से अलग करते हैं।

(8) पर्यायवाची शब्द लिखिए—

गंगा—भागीरथी, जान्हवी, देवनदी
पाठशाला—गुरुकुल, विद्यालय, स्कूल
राजा—नृप, महिपति, नरेश
दाँत—दंत, रद, दसन

(9) विलोम शब्द लिखिए—

अतीत—भविष्य, प्रारंभिक—अंतिम
साध्य—असाध्य, अनिश्चित—निश्चित
शिक्षा—अशिक्षा, यश—अपयश
प्राचीन—नवीन, उपयुक्त—अनुपयुक्त

(10) निम्न वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए—

- (क) शल्य—चिकित्सा (ख) जलोत्थर
(ग) शल्य—क्रिया (घ) बेहोश
(ङ) चिकित्सक

(11) निम्नलिखित शब्दों में आए प्रत्यय बाँटकर लिखिए—

भारतीय—ईय वैभवशाली—ई
यशस्वी—वी प्रारंभिक—इक
नगरी—ई, विकसित—इत

(12) निम्नलिखित शब्दों के सामने समास का नाम लिखिए—

चिकित्सालय—तत्पुरुष समास
गंगाजल—तत्पुरुष समास
शरीरस्थान—तत्पुरुष समास
सिंहमुख—बहुब्रीहि समास
शल्यक्रिया—कर्मधारय समास
क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(12) बाल-लीला

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) श्रीकृष्ण के घुटनों के बल चलते हुए रूप को बार-बार अपने पास बुलाकर अपना दुग्ध-पान करने से माँ यशोदा के सारे कष्टों का निवारण कर सकती हैं।

(ख) बवंडर के आने पर ब्रज के लोग इसलिए डर गए कि बालक कृष्ण को मारने के लिए तृष्णावर्त नामक राक्षस आँधी-बवंडर बनकर आया था, जिससे ब्रजवासी भयभीत हो गए थे। श्रीकृष्ण ने उसे गला घोटकर मार डाला था।

(ग) श्रीकृष्ण के हठ को दूर करने के लिए यशोदा चुपके से हँसकर इसलिए मना करते हैं क्योंकि सभी ग्वाले मिलकर उनके पैर में दर्द पहुँचाते हैं।

(2) पद की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

(क) कबहु निरखि हरि आपु छाँह कौं, कर सौं पकरन चाहत।

किलकि हँसत राजत द्रवै दतियाँ, पुन-पुन तिहिं अवगाहत॥

(ख) मैं पठवति अपने लटिका कौं, आवै मन बहराइ।

सूर स्याम मेरौ अति बालक, भारत ताहि रिंगाइ॥

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) प्रस्तुत पद कवि श्री सूरदासजी द्वारा रचित है।

(ख) श्रीकृष्ण को देखकर माँ यशोदा प्रसन्न हो रही है।

(ग) श्रीकृष्ण अपने हाथों से अपने मुख में माखन भर रहे हैं।

(घ) श्रीकृष्ण अपनी माँ से चंद्र-खिलौना लेने की जिद्द कर रहे हैं।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (ii) पुत्र की छवि (ख) (ii) सुरदास

(ग) (i) चाँद का खिलौना लेने को (घ) (ii) ग्वाल-बालों पर।

(5) स्वयं कीजिए—

(6) शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए—

श्याम—भगवान विष्णु श्याम वर्ण के हैं।

ब्रज—ब्रज के निवासियों को ब्रजवासी कहा जाता है।

सूरदास—सूरदास भगवान श्रीकृष्ण के परमभक्त थे।

पृथ्वी—पृथ्वी को हम सभी माँ कहते हैं।

कनक—कनक स्वर्णाभूषण का सार है।

(7) सही मिलान कीजिए—

अँचरा—आँचल, बेनी—चोटी, सुरभी—गाय

लरिका—लड़का, पग—पैर।

(8) समानार्थक शब्द लिखिए—

सिगरे—सभी, पाइ—पाँव, जसुमति—जशोदा, बिम्ब—परछाई।

(9) पर्यायवाची शब्द लिखिए—

वसुधा—धरती, धरा, पृथ्वी

कनक—सोना, स्वर्ण, धतूरा

कमल—जलज, पंकज, अलोज

गाय—धेनु, गऊ, सुरूभि

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(13) नादान दोस्त

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) चिड़िया के अंडों का पता लगने पर श्यामा एवं केशव के दिल में तरह-तरह के सवाल उठते। अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने बच्चे होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह निकल आएंगे। कितने बच्चों के पंख कैसे मिलेंगे? घोंसला कैसा होगा? लेकिन इन बातों का जवाब देने वाला कोई नहीं था।

(ख) अंडों की हिफाजत की तैयारियों में श्यामा दौड़कर एक पुरानी धोती फाड़कर एक टुकड़ा लाई। केशव ने झुककर कपड़ा ले लिया। उसकी कई तह करके उसने एक गद्दी और उसे तिनकों पर बिछाकर तीनों अंडे धीरे-से उस पर रख दिए।

श्यामा ने फिर कहा—हमको भी दिखा दो भैया। केशव—दिखा दूँगा, पहले वह टोकरी तो दे दे, ऊपर छाया कर दूँ।

श्यामा ने टोकरी नीचे से थमा दी और बोली—अब तुम उतर जाओ, मैं भी तो देखूँ।

केशव ने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर कहा—जा, दाने और पानी की प्याली ले आ, मैं उतर आऊँ तो तुझे दिखा दूँगा।

श्यामा प्याली और चावल भी लाई। केशव ने टोकरी के नीचे दोनों चीजें रख दीं और आहिस्ता से उतर आया। केशव ने कहा—अब अंडे बड़े आराम से हैं। जब बच्चे निकलेंगे तो उनको पालेंगे।

(ग) माँ ने आकर टूटे हुए अंडों को देखा और गुस्से से बोली—तुम लोगों ने अंडों को छुआ होगा? अब तो श्यामा को भैया केशव पर जरा भी तरस नहीं आया। उसे इसकी सजा मिलनी चाहिए। बोली—इन्होंने अंडों को छेड़ा था अम्मा जी। मैंने केशव से पूछा—क्यों रे? केशव भीगी बिल्ली बना रहा।

(घ) केशव और श्यामा के परस्पर व्यवहार में मूलभूत अंतर यह है कि केशव ने अति उत्साह में सोच-समझकर निर्णय नहीं ले पाया और वह यह नहीं समझ पाया कि छूने से चिड़ियों के अंडे गंदे हो जाते हैं और चिड़िया फिर उन्हें नहीं सेती। अंडों की हिफाजत करने के जोग में उसने उनका सत्यानाश कर डाला।

(2) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

(क) कूड़ा (ख) चालाक (ग) पाप

(घ) सत्यानाश (ङ) बच्चे।

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) केशव के कार्निंस पर पड़े अंडों को एक गद्दी और तिनकों पर बिछाकर रखा।

(ख) दोनों ने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर ऊपर से छाया कर दिया।

(ग) श्यामा और केशव को खाने की सुध इसलिए नहीं रहती थी क्योंकि दोनों सवेरे ही आँखें मलते-मलते कार्निंस के सामने पहुँच जाते तथा चित्र और चिड़िया दोनों को बर्थाँ बैठा पाते। दोनों बच्चे आपस में ही सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दे दिया करते थे।

(घ) माँ केशव और श्यामा को इसलिए डाँट रही थी क्योंकि इन्होंने दोनों को दोपहर में घर से बाहर निकलने के लिए मना किया था। माँ ने दोनों को डाँट-डपटकर फिर कमरे में बंद कर दिया और फिर उन्हें धीरे-धीरे पंखा झलने लगी।

(ङ) केशव द्वारा अंडों को हाथ से छूने के कारण चिड़िया ने उसे नीचे गिरा दिया क्योंकि छूने से चिड़ियों के अंडे गंदे हो जाते हैं और चिड़िया फिर उन्हें नहीं सेती।

(4) सही विकल्प पर (✓) चिह्न लगाइए—

(क) (iii) आपस में ही (ख) (iii) बच्चों को छूप लगाने की

(ग) (ii) पत्थर की प्याली में (घ) (ii) दोनों चिड़ा-चिड़िया उड़ गए (ङ) (i) चिड़िया ने।

(5) स्वयं कीजिए—

(6) शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए—

जिज्ञासा—जिज्ञासा द्वारा हमें नई जानकारीयाँ प्राप्त होती हैं।

तकलीफ—हमें किसी को तकलीफ नहीं पहुँचानी चाहिए।

चालाक—मोहन एक चालाक विद्यार्थी है।

आहिस्ता—हमें आहिस्ता-आहिस्ता अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

सहमी—मीना डरी और सहमी हुई थी।

(7) शब्दों के लिंग बताइए—

घर—पुल्लिंग

केशव—पुल्लिंग

टोकरी-स्त्रीलिंग	अंडे-पुल्लिंग
प्याली-स्त्रीलिंग	घोंसला-पुल्लिंग
(8) शब्दों से विशेषण बनाइए-	
रोग-रोगी	परिश्रम-परिश्रमी
तुम-तुम्हारा	मैं-मेरा
शरीर-शारीरिक	बुद्धि-बुद्धिमान
क्रियात्मक गतिविधियाँ-स्वयं कीजिए।	

(14) पुस्तकालय

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) पुस्तकालय में पुस्तकों को करीने से रैंक में सुरक्षित रखा जाता है। उन सारी पुस्तकों को विषय के अनुसार ही सूचियाँ बनाई जाती हैं और उन्हें किसी रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। उस रजिस्टर से ही पता चलता है कि कौन-सी पुस्तक किस रैंक में किस नंबर पर रखी है।

(ख) पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं। पुस्तकों से हमारा ज्ञानवर्धन होता है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों जैसे कला, विज्ञान, समाजिक, धार्मिक, राजनैतिक, आर्थिक, इतिहास, भूगोल, ज्योतिष, आयुर्वेद और कथा कहानियों आदि की पुस्तकें संग्रहित की जाती हैं जो एक ही जगह पर मिल जाने के कारण ही हमें अनेक प्रकार से लाभ पहुँचाती हैं। पुस्तकालयों से सबसे बड़ा लाभ है कि व्यक्ति या वे छात्र, जो महँगे पुस्तकें नहीं खरीद सकते या संग्रह करने में असमर्थ हैं, पुस्तकालयों से पुस्तकें लेकर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं।

(ग) सार्वजनिक पुस्तकालय पर जनता या सरकार का स्वामित्व होता है। सार्वजनिक पुस्तकालय में से कोई भी व्यक्ति पुस्तकालय के नियमों के अनुसार पुस्तकालय का सदस्य बनकर, पुस्तकें प्राप्त कर सकता है और उसका उपयोग करके उसे वापस कर सकता है।

(घ) स्कूलों में स्थापित पुस्तकालय यद्यपि स्कूल की निजी संपत्ति होते हैं, किन्तु सभी छात्र-छात्राएँ और आस-पास रहने वाले व्यक्ति भी, उस पुस्तकालय की पुस्तकों का उपयोग कर सकते हैं। ऐसे पुस्तकालयों को 'संस्थागत पुस्तकालय' भी कहा जा सकता है। ये उनकी निजी संपत्ति भी होते हैं। विभिन्न संस्थाएँ भी पुस्तकालय स्थापित करती हैं।

(2) सही स्थान चुनकर खाली स्थान भरिए-

(क) पुस्तकालय (ख) मित्र (ग) तीन (घ) भेदभाव(ङ) संपत्ति।

(3) सोच-समझकर बताइए-

- (क) पुस्तक संग्रह के स्थान को पुस्तकालय कहते हैं।
 (ख) पुस्तकालय की देख-रेख पुस्तकालयाध्यक्ष या लाइब्रेरियन करता है।
 (ग) पुस्तकें मानव की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।
 (घ) पुस्तकालय तीन प्रकार के होते हैं।
 (ङ) सार्वजनिक पुस्तकालय जनता या सरकार की संपत्ति होती है।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

- (क) (ii) पुस्तकों का घर (ख) (ii) सरकार और जनता का
 (ग) (ii) तीन (घ) (iii) संचित।

(5) स्वयं कीजिए-

(6) शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए-

- (क) ज्ञानवर्धक-पुस्तकालय को ज्ञानवर्धक संचित कोष कहा जाता है।
 (ख) शांति-पुस्तकालय में सभी लोग शांति से अध्ययन करते हैं।
 (ग) संपत्ति-निजी पुस्तकालय निजी संपत्ति होती है।
 (घ) पुस्तकालय-पुस्तकालय को पुस्तकों का घर कहते हैं।
 (ङ) ज्ञान-पुस्तक ज्ञान बढ़ाने का सर्वश्रेष्ठ साधन है।

(7) विलोम शब्द लिखिए—

संग्रह—बिखराव मित्र—शत्रु
रुचि—अरुचि सार्वजनिक—निजि

(8) सही शब्दों पर गोला लगाइए—

(क) कर्म, (ख) दृश्य, (ग) श्रीमति, (घ) आशीर्वाद, (ङ) शर्म, (च) प्रतीक्षा

(9) विशेषण शब्द भरिए—

(क) लाल, (ख) सफेद, (ग) मीठा, (घ) तेज, (ङ) बुद्धिमान।

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(15) बाज और साँप

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) बाज को घायल अवस्था में देखकर साँप इसलिए खुश हुआ क्योंकि बाज जीवन की अंतिम साँसें गिन रहा था एवं उससे डरना बेकार है।

(ख) बाज साँप से खून में लथपथ अवस्था में मिला। उसकी छाती पर कितने ही जख्मों के निशान थे, पंख खून से सने थे और वह अधमरा-सा जोर-जोर से हाँफ रहा था।

(ग) बाज जिंदगी भर आकाश में ही उड़ते रहने के बावजूद भी घायल होने के बाद आकाश में ही इसलिए उड़ना चाहता था क्योंकि बाज को दुःख था कि वह अब आकाश की असीम ऊँचाईयों को अपने पंखों से नापने का आनंद कभी नहीं उठा पाएगा।

(घ) बस के लिए लहरों ने गीत इसलिए गाया कि यह गीत असाहसी लोगों के लिए था जो अपने प्रांतों को हथेली पर रखे हुए घूमते थे।

चतुर वही है, जो प्राणों की बाजी लगाकर जिंदगी के हर खतरे का बहादुरी से सामना करे।

(2) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

(क) दीवानों (ख) आकाश (ग) साँप
(घ) बाज (ङ) स्वर।

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) साँप समुद्र के किनारे ऊँचे पर्वत की अँधेरी गुफा में रहता था। साँप एकाकीपन और आरामदायक जिन्दगी का प्रतीक है।

(ख) साँप जब उड़ा तो वह नीचे छोटी-छोटी चट्टानों पर धप्प से जा गिरा क्योंकि उसने तो जीवन भर रेंगना ही सीखा था।

(ग) बाज की आखिरी इच्छा आकाश में सिर्फ एक बार उड़ पाने की थी।

(घ) प्रस्तुत कहानी के लेखक निर्मल वर्मा जी हैं।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (i) गुफा में (ख) (iii) बाज
(ग) (iii) लहरें (घ) (ii) नीला

(5) स्वयं कीजिए—

(6) मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए—

(*) प्राणों की बाजी लगाना—(पूरी ताकत लगाना)—सैनिक बॉर्डर पर अपने प्राणों की बाजी लगाकर दुश्मन को मार भगाते हैं।

(*) जीवन बलिदान करना—(शहीद हो जाना)—सैनिक अपने देश के लिए अपना जीवन बलिदान करने में पीछे नहीं रहते हैं।

(*) अन्तिम साँसें गिनना—(मृत्यु नजदीक होना)—शेर व चीता लड़ाई के बाद दोनों अपनी अंतिम साँसें गिन रहे थे।

(*) आँख से ओझल होना—(गायब हो जाना)—चोर चोरी करके आँख से ओझल हो गए।

(7) विलोम शब्द लिखिए—

ऊँचाई—गहराई, आकाश—पाताल

चतुर—बेवकूफ, हँसना—रोना

वियोग—मिलन, मृत्यु—जीवन

(8) पर्यायवाची शब्द लिखिए—

सागर—समुद्र जलाधि, पयोधि
आनंद—खुशी, प्रसन्नता, हर्ष
आशा—उम्मीद, आस
हवा—वायु, पवन, नीर
जमीन—पृथ्वी, वसुधा, धरा
आकाश—आसमान, गगन, नभ।

(9) विशेषण बनाइए—

मूर्ख—मूर्खता,	करुण—करुणा
झिलमिल—झिलमिल,	हर्ज—हर्जाना
स्वच्छंद—स्वच्छंदता,	बहादुर—बहादुरी
शून्य—शून्यता,	चतुर—चतुराई

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(16) चेतक की वीरता

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

- (क) इस कविता से चेतक के बारे में यह पता चलता है कि वह हवा के तीव्र गति के समान भागता था।
(ख) वैरी समाज इसलिए दंग रह गया क्योंकि चेतक के टापों से दुश्मनों का शरीर बुरी तरह घायल हो गया था।
(ग) चेतक राणा प्रताप के पलक झपकते ही चेतक की दिशा मुड़ जाती थी।
(घ) चेतक युद्ध के मैदान में हवा की रफ्तार से राणा प्रताप के एक छोटे इशारे से भागता था। उसकी रफ्तार इतनी तेज होती थी कि दुश्मन सेना यह नहीं समझ पाती थी कि वह उन्हें दौड़ते हुए उनकी तरफ कब आ रहा है और कब उनसे दूर चला जा रहा है।

(2) कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

- (क) गिरता न कभी चेतक—तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।
वह वह दौड़ रहा अरि—मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।
(ख) बढ़ते नद—सा वह लहर गया,
वह गया, गया फिर ठहर गया।
विकराल वज्रमय बादल—सा,
अरि सेना पर घर गया।।
(ग) जो तनिक हवा से बाग हिली,
लेकर सवार उड़ जाता था।
राणा की पुतली फिरी नहीं,
तब तक चेतक मुड़ जाता था।

(3) सोच-समझकर बताइए—

- (क) प्रस्तुत कविता में कवि ने राणा प्रताप के महान घोड़े चेतक के बारे में वर्णन किया है।
(ख) चेतक देश के लिए न्योछावर होने वाले राणा प्रताप का स्वामी भक्त घोड़ा था।
(ग) चेतक का स्वामी राणा प्रताप थे।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- (क) (ii) राणा प्रताप का (ख) (i) हवा

(ग) (iii) बहुत तीव्र (घ) (iii) घोड़े की चाल देखकर

(5) स्वयं कीजिए—

(6) पर्यायवाची शब्द लिखिए—

घोड़ा—अश्व, हवा—पवन, आसमान—आकाश, अंग—हिस्सा, रण—क्षेत्र।

(7) मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए—

(*) आसमान में उड़ना—(तीव्र गति से दौड़ना)—चेतक की रफ्तार आसमान में उड़ने के समान थी।

(*) पुतली फिरना—(आँखों का इशारा)—राणा की पुतली फिरते ही चेतक मुड़ जाता था।

(*) चौकड़ी भरना—(तेज भागना)—चेतक ने चौकड़ी मारकर एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया था।

(*) पाला पड़ना—(सामना होना)—हवा का पाला चेतक से पड़ गया था।

(8) निम्नलिखित उदाहरण को समझकर लिखिए—

राजपुत्र—राजा का पुत्र

राजकोष—राजा का कोष

राजमंत्री—राज्य का मंत्री

राजदरबार—राजा का दरबार

राजर्षि—राजा के ऋषि

राजमहल—राजा का महल

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

पुनरावृत्ति प्रश्न-पत्र-2

(पाठ 9 से 16 पर आधारित)

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) कवि नवयुग की नयी वीणा में नया राग एवं नया गान भरने को कह रहा है।

(ख) चिकित्साशास्त्रियों ने आयुर्वेद के माध्यम से असाध्य रोगों को सफलतापूर्वक ठीक कर दिखाया। उन्हें शल्यक्रिया करने में भी महारत हासिल थी।

(ग) श्रीकृष्ण एक हाथों से अपने मुख में माखन भर रहे हैं।

(घ) पुस्तकालय तीन प्रकार के होते हैं।

(ङ) चेतक युद्ध के मैदान में हवा की रफ्तार से राजा प्रताप के एक छोटे से इशारे से ही तीव्र गति से भागता था। उसकी रफ्तार इतनी तेज होती थी कि दुश्मन सेना समझ नहीं पाती थी कि वह उन्हें रौंदते हुए उनकी तरफ कब आ रहा है और कब उनसे दूर चला जा रहा है।

(2) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (i) मुरझे सुमनों में (ख) (i) राजा दिवोदास

(ग) (ii) पुत्र की छवि (घ) (iii) संचित

(ङ) (ii) राणा प्रताप

(3) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

(क) बसंत (ख) विश्वामित्र

(ग) जिज्ञासा (घ) मित्र

(ङ) नदी।

(7) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

(क) गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती।

(ख) सुश्रुत-संहिता में हमें शल्य-चिकित्सा की विशद् जानकारी मिलती है।

(ग) कनिस पर थोड़े तिनके बिछे हुए हैं और उन पर तीन अंडे पड़े हैं।

(घ) पुस्तकालय को पुस्तकों का घर कहते हैं।

(ड) समुद्र के किनारे ऊँचे पर्वत की अंधेरी गुफा में एक साँप रहता था।

(17) हिरोशिमा की आग

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) बम गिरने से पहले हिरोशिमा शहर का माहौल बेहद खुशनुमा था। उस दिन जापान के हिरोशिमा शहर का आसमान नीला और साफ था। सूरज चमक रहा था। लोग बसों और ट्राम-कारों में बैठकर काम पर जा रहे थे। हिरोशिमा की सातों नदियाँ धीरे-धीरे बह रही थीं। गर्मी का मौसम था। सूरज की किरणों पानी की सतह पर थिरक रही थीं।

(ख) बम के विस्फोट से चारों ओर एकदम सन्नाटा था और आसमान का रंग काला स्याह हो गया था। बमबारी की आग से बचने के लिए भागने वालों की लंबी भीड़ थी। इस बीच में आसमान काला स्याह हो गया और बादल गरजने लगे। फिर बारिश होने लगी। वैसे तो गर्मी का मौसम था, परंतु फिर भी हवा काफी ठंडी थी। ऊपर से गिर रही बारिश चिपचिपी थी और उसका रंग भी काला था।

चारों ओर आँखों को चौंधा देने वाली बिजली कड़की। बिजली पहले नारंगी और फिर सफेद रंग की हो गयी। ऐसे लगा, जैसे हजारों बादलों से एक साथ बिजली गिरी हो। इस भयानक धक्के के प्रभाव से ऊँची-ऊँची इमारतें काँपने लगी और ढहने लगीं।

(ग) हवाई हमलों से बचने के लिए जो कुछ भी संभव था, वे तैयारियाँ की गई थी। आग न फैले, इसलिए पुरानी इमारतों को गिरा दिया गया था। सड़कों को भी चौड़ा कर दिया गया था। जगह-जगह पर आग बुझाने के लिए पानी का प्रबंध किया गया था। बमबारी की स्थिति में, लोगों के छिपने के लिए सुरक्षित स्थान बनाए गए थे। हरेक नागरिक अपने साथ हमेशा दवाईयों की एक छोटी थैली रखता था। घर से बाहर निकलते समय लोग बमबारी से बचने के लिए खास प्रकार के कवच और हेमलेट पहनते थे।

(घ) प्रत्येक वर्ष 6 अगस्त के दिन हिरोशिमा के लोग एटम बम से मरने वालों के नामों को कागज की लालटेनों पर लिखते हैं। इन लालटेनों को जलाकर सात नदियों में छोड़ा जाता है। धीरे-धीरे ये नदियाँ अपने साथ, करने वालों की याद में बनी लालटेनें लेकर समुद्र में विलीन हो जाती है।

(ड) बम विस्फोट के बाद वहाँ का आसमान काला स्याह हो गया और बादल गरजने लगे। फिर बारिश होने लगी। वैसे तो गर्मी का मौसम था, परंतु फिर भी हवा काफी ठंडी थी। ऊपर से गिर रही बारिश चिपचिपी थी और उसका रंग भी काला था। फिर आसमान में एक इंद्रधनुष निकला। उससे आसमान की कालिख कुछ कम हुई। इस मंद रोशनी में भरे हुए और जख्मी हुए लोग साफ दिखायी देने लगे।

(2) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

(क) किरणें (ख) शकरकंदियाँ (ग) पलायन (घ) इंद्रधनुष। (ड) प्रलयकारी।

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) हिरोशिमा से पहले जापान के कई बड़े शहरों टोक्यो, ओसाका और नगायो पर हवाई हमले हो चुके हैं।

(ख) बमबारी से बचने के लिए हिरोशिमा के लोग बाहर निकलते समय एक खास प्रकार के कवच और हेलमेट पहनते थे।

(ग) माई सात साल की थी।

(घ) हिरोशिमा शहर पर 'लिटिल बॉय' नामक परमाणु बम बी-29 विमान से 6 अगस्त, 1945 को सुबह आठ बजकर पंद्रह मिनट पर गिराया गया।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (ii) सात (ख) (i) शकरकंदियाँ
(ग) (i) 6 अगस्त, 1945 को (घ) (ii) आग

(5) स्वयं कीजिए—

(6) अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए—

(*) मानवता—(मानव जाति की मदद करना हमें मानवता की कोई मौका नहीं चूकना चाहिए।

(*) प्रलयकारी—(विनाशकारी) एटम बम जैसा प्रलयकारी विस्फोटक दुनिया में पहले कभी भी इस्तेमाल नहीं किया गया था।

(*) भयंकर—(डरावना)—माई और माँ आग का भयंकर तांडव देखती रहीं और प्रार्थना करती रहीं।

(*) सुरक्षित—(नुकसानरहित)—बमबारी की स्थिति में, लोगों के छिपने के लिए सुरक्षित स्थान बनाए गए थे।

(*) पलायन—(भाग जाना)—माई और उसके माता-पिता ने पलायन जारी रखा।

(7) पर्यायवाची शब्द लिखिए—

आसमान—आकाश, गगन, नभ

सूरज—प्रभाकर, दिवाकर, सूर्य

खुशी—हर्ष, प्रसन्नता, आनंद

आग—अग्नि, पावक, अनल।

(8) विलोम शब्द लिखिए—

संभव—असंभव,

सुबह—शाम

पुरानी—नयी,

भयानक—सौम्य

आग—पानी,

पहले—पश्चात

सुरक्षित—असुरक्षित,

पसंद—नापसंद

(9) निम्नलिखित शब्दों में आए प्रत्यय छाँटकर लिखिए—

विस्फोटक—क

जलाकर—कर

प्रलयकारी—कारी

लिखावट—वट

विषैली—ई

बमबारी—बारी

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(18) मिठाईवाला

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) मिठाईवाला से बच्चे इसलिए प्रेम करते थे क्योंकि वह अपने मधुर मृदुल स्वर में बच्चों को बहलाता था। बच्चे उसे देखकर पुलकित हो उठते।

(ख) मिठाईवाला मीठे मधुर स्वर में आवाज देकर खिलौने व मुरली बेचने वाला साधारण व्यक्ति था। वह कभी मुरली व कभी खिलौने इसलिए बेचा करता था क्योंकि छोटे बच्चे अपने बचपन में इन्हीं दो वस्तुओं से खेलकर अति प्रसन्न होते हैं।

(ग) फेरीवाले ने अपना सामान जिस भाव पर थोक में खरीदा था उसी कीमत पर बेचता था ताकि वह अधिक से अधिक बच्चों को अपना सामान बेच सके। वह पहले से ही अपने नगर का एक प्रतिष्ठित आदमी था। बाहर सम्पत्ति का वैभव था, भीतर सांसारिक सुख था। पैसा उसके लिए बहुत ज्यादा महत्त्व नहीं रखता था।

(घ) रोहिणी की दृष्टि में फेरीवाला बच्चों को बहलानेवाला एवं प्रसन्नता बाँटनेवाला व्यक्ति था।

(ङ) मिठाईवाला ने अपने बारे में रोहिणी और दादी को बताया कि मैं भी अपने नगर का प्रतिष्ठित आदमी था। मकान, व्यवसाय, गाड़ी-घोड़े नौकर, चाकर सभी कुछ था। स्त्री थी, छोटे-छोटे दो बच्चे भी थे। मेरा वह सोने का संसार था। बाहर संपत्ति वैभव था। भीतर सांसारिक सुख था। स्त्री सुंदर थी। मेरी प्राण थी। बच्चे ऐसे थे जैसे सोने के सुंदर सजीव खिलौने। उनकी अठखेलियों के मारे घर में कोलाहल मचा रहता था। समय की गति विधाता की लीला। अब कोई नहीं है। दादी! प्राण निकाले नहीं निकले। इसीलिए अपने उन बच्चों की खोज में निकला हूँ। वे सब अंत में होंगे तो यही कहीं आखिर कहीं न कहीं जन्में ही होंगे। उस तरह रहता तो घुट-घुटकर मरता।

इस तरह सुख-संतोष के साथ मरूँगा। इस तरह के जीवन में कभी-कभी अपने उन बच्चों की एक झलक-सी मिल जाती है। ऐसा जान पड़ता है, जैसे वे इन्हीं में उछल-उछलकर हँस-खेल रहे हैं। पैसे की कमी थोड़े ही है, आपकी दया से तो काफी है। जो नहीं है, इस तरह उसी को पा जाता हूँ।

(2) सही स्थान चुनकर खाली स्थान भरिए—

(क) भीतर-बाहर

(ख) खिलौने

(ग) उस्ताद

(घ) गलियों

(ङ) प्रतिष्ठित।

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) मिठाईवाला! अंत में गाँव में मिठाई बेचने आया।

(ख) मिठाईवाला बच्चों से प्रेम इसलिए करता था क्योंकि वह इन बच्चों में अपने बच्चों की छवि देखता था।

(ग) मिठाईवाला गाँव में सर्वप्रथम खिलौने बेचने आया।

(घ) प्रस्तुत अध्याय के लेखक श्री भगवती प्रसाद वाजपेयी जी हैं।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (iii) भगवती प्रसाद वाजपेयी (ख) (ii) मुरली वाले का

(ग) (ii) दो पैसे (घ) (i) रोहिणी।

(5) स्वयं कीजिए—

(6) विलोम शब्द लिखिए—

अधूरा—पूरा स्मरण—विस्मरण

अस्थिर—स्थिर मृदुल—कठोर

झूठ—सच ठीला—कड़ा

(8) समानार्थी शब्द लिखिए—

मृदुल—कोमल कंठ—गला

स्नेह—प्रेम सामर—समुद्र

वैभव—धन—संपत्ति विजय—जीत

मधुर—मीठा संतोष—संतुष्टि

(7) संधि—विच्छेद कीजिए—

स्नेहाभिसिक्त = स्नेह + अभिसिक्त

सजीव = स + जीव

इच्छानुसार = इच्छा + अनुसार

अतिशय = अति + शय

(9) वचन बदलकर लिखिए—

युवती—युवतियाँ खिलौना—खिलौने

हथेलियों—हथेली उंगली—उंगलियाँ

मुरली—मुरलियाँ टोपी—टोपियाँ

मिठाई—मिठाईयाँ स्त्री—स्त्रियाँ

(10) क्रियात्मक-गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए

(19) भिक्षुक

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) प्रस्तुत कविता में 'दो टूक कलेजे के करता' से कवि का अभिप्राय यह है कि गरीब एवं भिक्षुक न चाहते हुए भी पेट की भूख मिटाने के लिए अपने पथ पर आगे बढ़ते चले जाते हैं।

(ख) भिक्षुक की दयनीय अवस्था इससे समझी जा सकती है कि अपनी भूख मिटाने के लिए और मुट्ठी भर दाने पाने के लिए अपनी झोली फैलाकर लोगों से दया भरी दृष्टि से याचना करता है।

(ग) भिक्षुक बच्चों के होंठ भूख के कारण सूख जाते हैं।

(घ) बच्चे अपनी भूख मिटाने के लिए सड़क पर पड़े हुए जूठी पत्तल को चाटने पर भी मजबूर हो जाते हैं।

(ङ) कवि ने भिक्षुक को अपनी कविता का पात्र इसलिए बनाया है कि हम सबको गरीबों एवं भिक्षुकों के प्रति सदा दया-दृष्टि दिखाते हुए उनकी मदद करनी चाहिए।

(2) नीचे दी गई पंक्तियों का भावार्थ लिखिए—

भावार्थ—भिक्षुकों के साथ हमेशा हाथ फैलाकर दो बच्चे भी अपने पेट को मलते हुए चलते हैं। और लोगों की दया-दृष्टि पाने का प्रयास करते हैं। क्योंकि भूख से उनके होंठ सूख जाते हैं। भाग्य का निर्माण करने वाले ईश्वर से उन्हें क्या मिल जाता है? क्योंकि वे तो घूँट के आँसुओं को पीकर रह जाते हैं।

(3) सोच-समझकर बताइए—

- (क) प्रस्तुत कविता श्री सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' द्वारा रचित है।
(ख) कवि ने भिक्षुक को अपना पात्र बनाया है।
(ग) भिक्षुक को देखकर कवि सोचते हैं कि ये तो अभिमन्यु की तरह हो सकते हैं और कवि उनके दुःख को समाप्त करने के बारे में कहते हैं।

(घ) सड़क पर कुत्ते जूठे पत्तल को झपटने के लिए अड़कर खड़े हुए हैं।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- (क) (ii) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (ख) (iii) भिक्षुक
(ग) (i) दाने (घ) (i) दयनीय।

(5) स्वयं कीजिए—

(6) विलोम शब्द लिखिए—

सड़क—पगडंडी	दाता—अदाता
सदा—कभी-कभी	बाएँ—दाएँ
पुरानी—नयी	अमृत—विष
ठहरो—जाओ	जूठी—साफ

(7) अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए—

- (*) दया-दृष्टि— (दया भरी दृष्टि)— मुझे तुम्हारी दया-दृष्टि नहीं चाहिए।
(*) लकुटिया—(लाठी)—बच्चे अपने माता-पिता की लकुटिया होते हैं।
(*) दाता—(देने वाला)—ईश्वर सबसे बड़ा दाता है।
(*) भाग्य-विधाता—(भाग्य बनाने वाला)—इन्सान अपना भाग्य-विधाता स्वयं होता है।
(*) हृदय—(दिल)—प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में अमृत होता है।

(8) पर्यायवाची शब्द लिखिए—

दुःख—कष्ट, परेशानी, पीड़ा
अमृत—सुधा, सोम, पीयूष
हृदय—दिल, छाती, वक्ष
क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(20) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) यह घटना उस समय की है जब डॉ. कलाम दस वर्ष के थे और पाँचवीं कक्षा में पढ़ते थे। इनके अध्यापक श्री शिवसुब्रह्मयम् अडय्यर चिड़िया के उड़ने का सिद्धांत समझा रहे थे। उन्होंने श्यामपट्ट (ब्लैक बोर्ड) पर चित्र बनाकर उन्हें लगभग बीस मिनट तक समझाया कि चिड़िया कैसे उड़ती है। पंख फड़फड़ाने और संतुलन बनाने के लिए उसकी पूँछ कैसे काम करती है। पूरा समझाकर उन्होंने इनसे पूछा कि 'समझ में आया?' डॉ. कलाम और कई अन्य बच्चों ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आया। इस पर शिक्षक क्रोधित होने के बदले वे विद्यार्थियों को समुद्र तट पर ले गए। वहाँ सभी विद्यार्थियों ने अनेक पक्षियों को उड़ते हुए देखा। वहाँ पक्षियों की उड़ान भरने की प्रक्रिया डॉ. कलाम को अच्छी तरह समझ में आ गई। पैरों की मरोड़ा, पंखों की गति, पूँछ से संतुलन, सभी क्रियाओं का सामंजस्य, सब स्पष्ट हो गया। अंत में शिक्षक ने बताया कि पक्षी आंतरिक प्रेरणा और जीने की इच्छाशक्ति से उड़ता है। इस घटना से डॉ. कलाम को पक्षियों की उड़ान की तकनीक के साथ-साथ उन्हें जीवन की एक गहरी शिक्षा भी मिली। सैद्धांतिक ज्ञान को उदाहरण द्वारा ही पूर्ण शिक्षा का रूप मिलता है।

रामेश्वर के तट पर पक्षियों की उड़ान डॉ. कलाम के मन की गहराइयों तक उतर गई। यह डॉ. कलाम के जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय था। इसके बाद ही डॉ. कलाम ने उड़ान विज्ञान को अपना विषय बनाने का निश्चय किया था। डॉ. कलाम उनके अभारी हैं कि शिक्षकों के पढ़ाने की विधि ने उनका भविष्य तय कर दिया। इससे डॉ. कलाम ने अपने जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित कर

लिया। डॉ. कलाम ने भौतिक विज्ञान का अध्ययन किया, आगे चलकर मद्रास (चेन्नई) इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग में पढ़ाई की और रॉकेट इंजीनियर, एरोप्लेन इंजीनियर और तकनीकी विशेषज्ञ बने।

(ख) दूरस्थ शैक्षिक कार्यक्रमों को देश के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता से व्यावहारिक बनाने के लिए तीन तरह के कार्यक्रम आवश्यक हैं—संपर्क, प्रसारण और उत्पादन एवं उसका प्रसार, जो संपर्क को डेढ़ लाख टर्मिनल्स के साथ जोड़ने की क्षमता रखता है। देश के दूसरे भाग में ब्रॉड और बेतार के तार (वायरलेस) संचार माध्यम से जुड़े हैं। ये सभी माध्यम उत्तम साधन हैं।

जब हम सारे देश को संचार माध्यम से जोड़ने में सफल हो जाएँगे तो शिक्षण संस्थाओं से विद्यार्थी और शिक्षकों का प्रत्यक्ष और परोक्ष, दोनों तरफ से संपर्क साधा जा सकेगा। इस संपर्क में व्यापक शिक्षक अभियान चलाए जा सकेंगे। इससे हर क्षेत्र के लोग लाभान्वित हो सकेंगे।

(ग) अंक गणित सिद्धांतों के जन्मदाता श्रीनिवास रामानुजन हैं।

(घ) पृथ्वी सतह से सतह (लगभग 150 किमी.) पर प्रक्षेपण के लिए, आकाश मध्यम दूरी (क्षमता 24 किमी) की प्रक्षेपण सतह से हवा में प्रक्षेपण के लिए नाग टैंक विरोधी निर्देशित प्रक्षेपास्त्र (क्षमता 4 किमी.) है।

(ङ) परमाणु शक्ति का प्रयोग ऊर्जा उत्पादन और उत्तम कृषि के बीच प्रदीपन हेतु भी किया जाता है।

(च) भारत के भावी कर्णधारों के लिए डॉ. कलाम ने यही संदेश दिया कि किसी भी युवक को भविष्य से घबराने की आवश्यकता नहीं है, अगर उसने अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है।

समय बहुत मूल्यवान है। सदाचारी बनो! आत्मविश्वास रखो कि तुम्हारे पास हर समस्या का सामना करने की क्षमता है। ऐसा करके तुम लक्ष्य को सरलता से प्राप्त कर लोगे।

(2) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

- | | |
|------------|------------------------------|
| (क) उदाहरण | (ख) उद्देश्य |
| (ग) दृष्टि | (घ) उपयोगिता (ङ) आत्मविश्वास |

(3) सोच-समझकर बताइए—

- (क) प्रोफेसर अब्दुल फकीर जैनुलाअबदीन अब्दुल कलाम।
(ख) जब डॉ. कलाम पाँचवीं कक्षा में पढ़ रहे थे, उस समय अध्यापक महोदय चिड़ियाँ के उड़ने का सिद्धांत समझा रहे थे।
(ग) सन् 2020 में हमारे देश का स्वरूप बहुत सुंदर और सुखद होगा।
(*) गाँवों और शहरों की विभाजक रेखा समाप्त हो जाएगी।
(*) समान विवरण के तहत उद्योगों को पर्याप्त ऊर्जा और गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति होगी।
(*) कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों में सामंजस्य के साथ काम होगा।
(*) कोई भी मेधावी विद्यार्थी शिक्षा और विकास के मूल्यों से वंचित नहीं रहेगा।
(*) यह राष्ट्र योग्य विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और पूँजी निवेशकों की मंजिल होगा।
(*) श्रेष्ठतम स्वास्थ्य सेवाएँ होंगी।
(*) राष्ट्र की शासन व्यवस्था पारदर्शी और भ्रष्टाचार से पूर्णतः मुक्त होगी।
(*) गरीबी और अशिक्षा जड़ से समाप्त हो जाएगी। स्त्रियों और बच्चों के विरुद्ध अपराध पूरी तरह नियंत्रण में होंगे। किसी के अधिकारों का हनन नहीं होगा।

(*) समृद्ध, स्वस्थ, आतंकरहित, प्रसन्न और शांतिपूर्ण राष्ट्र जो जीवनयापन के लिए सर्वोत्तम स्थान होगा जिसे अपने नेतृत्व पर गर्व होगा।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- | | |
|-----------------------|------------------------|
| (क) (ii) 1931 में | (ख) (iii) समुद्र तट पर |
| (ग) (i) उदाहरण द्वारा | (घ) (iii) पूँछ से |

(5) स्वयं कीजिए—

(6) विशेषण रूप लिखिए—

- | | |
|---------------------|--------------------|
| मूल्य—मूल्यवान | उड़ान—उड़ान |
| राष्ट्र—राष्ट्रीयता | आविष्कार—आविष्कारी |
| इतिहास—ऐतिहासिक | श्रम—परीक्षणी |

(7) पर्यायवाची शब्द लिखिए—

आकाश—आसमान, नभ, गगन

पक्षी—खग, चिड़िया, पंछी

पृथ्वी—भूमि, धरा, वसुधा

आग—अग्नि, पावक, अनल

(*) कठिन + तम = कठिनतम, महत्त्व + पूर्ण = महत्त्वपूर्ण

उच्च + तम = उच्चतम, उद्देश्य + पूर्ण = उद्देश्यपूर्ण

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(21) जिसके हम मामा हैं

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) लड़के ने सज्जन व्यक्ति को अपनापन में अपना मामा बनाया।

(ख) लड़का सज्जन व्यक्ति के साथ वाराणसी घूमने लगा। कभी इस मंदिर, कभी उस मंदिर, और फिर नहाने के लिए गंगाघाट पहुँच गए।

(ग) भारतीय नागरिक और भारतीय वोटर के नाते हमारी स्थिति ऐसी कि चुनाव के मौसम में कोई आता है और हमारे चरणों में गिर जाता है।

(घ) क्यों साहब वह कहीं आपको नजर आया से लेखक का यह आशय है कि चुनाव के मौसम में, चुनाव का उम्मीदवार हमारा वोट पाने के लिए हमारे चरणों में गिर जाता है।

(ङ) भारतीय वोटर और मामाजी की स्थिति एक समान इसलिए है कि दोनों का काम हो जाने पर कोई किसी को नजर नहीं आता और काम पड़ने पर एक दूसरे का इस्तेमाल करते हैं।

(2) सही स्थान चुनकर खाली स्थान भरिए—

(क) वाराणसी (ख) चरण (ग) मुन्ना (घ) प्रजातंत्र (ङ) समस्या।

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) सज्जन व्यक्ति गंगा में डुबकी लगाने गए थे।

(ख) सज्जन व्यक्ति के पैर पर गिरने वाले लड़के ने उन्हें मामा कहकर संबोधित किया।

(ग) संसद के सदस्यों को सांसद या मेंबर ऑफ पार्लियामेंट कहते हैं।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (ii) वाराणसी (ख) (i) भांजा

(ग) (iii) पूरा सामान (घ) (iii) गंगा घाट

(5) स्वयं कीजिए—

(6) निम्नलिखित उपसर्गों का प्रयोग करते हुए दो-दो शब्द बनाइए—

भर—भरना, भरती

भर—अधमरा, अधकचरा

स—सजीव, सहृदय

नि—निर्जीव, नियम

अन—अनपढ़, अनजान

(7) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए—

चिड़चिड़ाहट—चिड़चिड़ाना आहट

स्वतंत्रता—स्वतंत्र त्रत

शास्त्रीय—शास्त्र त्रीय

बचपन—बचपना

पन

(8) नीचे दिए गए वाक्यों के रूप को कोष्ठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार बदलिए—

(क) मैं आजकल यहाँ नहीं हूँ।

(ख) वह तौलिया लपेटे कहाँ से कहाँ दौड़ते रहे?

(ग) अरे! तुमने मुझे इतनी देर से नहीं पहचाना।

(7) निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए—

शिष्टाचार—

शिष्ट + आचार

न्यायालय—

न्याय + आलय

वार्तालाप—

वार्ता + आलाप

सप्ताहांत—

सप्ताह + अंत

वीरोचित—

वीर + उचित

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(22) भारत की सांस्कृतिक एकता

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) किसी देश की संस्कृति से तात्पर्य उस देश की परंपराओं, कथाओं, विचारों, देवी-देवताओं एवं उनके प्रतीकों से है।

(ख) राष्ट्रीयता के विचार को जब खंडित किया जाता है तो उसे देश न कहकर एक उपमहाद्वीप कहा जाता है। इसीलिए भारत-भूमि की नदियों के प्रवाह को प्राकृतिक विभाजन-रेखाएँ बतलाकर तथा भाषाओं, धर्मों एवं रीति रिवाजों के भेद को आधार बनाकर हमारी राष्ट्रीयता के विचार को खंडित करने के उद्देश्य से हमारे कुछ हितचिंतक इस देश को देश न कहकर एक उपमहाद्वीप कहते हैं।

(ग) हमारी शक्ति को हास करने के लिए हमारी राष्ट्रीयता को चुनौती देने के निमित्त-दक्षिण, अर्वाण-सर्वण, हिन्दू, मुसलमान सिख, इसाई, जैन के भेद करके हमारी संगठित इकाई को क्षति पहुँचाई गयी। भाषा का बवंडर उठाया गया, ताकि आपसी झगड़ा और भेदभाव में हमारी शक्ति का हास हो और विदेशी शासकों का राज्य अटल बना रहे।

(घ) मनुष्य अपने अवयवों के बाहुल्य और उनके समायोजन और संगठन के कारण जीवधारियों में सबसे अधिक विकसित और श्रेष्ठ गिना जाता है।

(ङ) हमारे पूर्व शासकों से लेखक का संकेत इस ओर है कि हमारे देश में शासकों ने अपने स्वार्थवश हमारे भेदों को अधिक विस्तार दिया गया जिससे हमारे देश में फूट की बेल पनपे और इस भेद नीति से उनका उल्लू सीधा हो। हमारे अभेदों की उपेक्षा की गयी या उन्हें नगण्य समझा गया। इससे हीनता की मनोवृत्ति पैदा हो गयी।

(2) सही स्थान से रिक्त स्थान भरिए—

(क) राष्ट्रीयता

(ख) सामंजस्य (ग) अस्तित्व

(घ) सांस्कृतिक

(ङ) व्यक्तित्व

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) प्रस्तुत लेख 'श्री बाबू गुलाबराय जी' द्वारा रचित है।

(ख) शिवभक्त ठेठ उत्तर की गंगोत्री से जाह्नवी-जल लाकर दक्षिणी सीमा के रामेश्वरम् महादेव का अभिषेक करते हैं।

(ग) हमारे भारतीय धर्मों में भेद होते हुए भी एक सांस्कृतिक एकता है, जो उनके अविरोध की परिचायक है। वही त्याग और तप एवं मध्यम मार्ग की संयमयी भावना हिंदू, बौद्ध और जैन में समान रूप से विद्यमान है। एक धर्म के आराध्य दूसरे धर्म के महापुरुष के रूप में स्वीकार किए गए हैं। भगवान बुद्ध तो अवतार ही माने जाते हैं।

(घ) हमारी एक जातीय व्यक्तित्व है। यह हमारी जातीय मनोवृत्ति, जीवन-मीमांसा, रहन-सहन, रीति-रिवाज, उठने-बैठने के ढंग, चाल-ढाल, वेश-भूषा, साहित्य, संगीत और कला में अभिव्यक्त होता है। विदेशी प्रभाव पड़ने पर भी बहुत अंशों में अक्षुण्ण बना हुआ है। वही हमारी एकता का मूलस्रोत है।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

- (क) (ii) भातर को (ख) (i) जर्मन, फ्रांसीसी तथा इतालवी
(ग) (ii) विभाजन रेखाएँ (घ) (iii) मुसलमान धर्म के।

(5) स्वयं कीजिए—

(6) शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए—

- (*) अखिल—(सर्वस्व)—ईश्वर अखिल रूप से व्याप्त है।
(*) स्तवन—(स्तुति)—ईशस्तवन प्रतिदिन करना चाहिए।
(*) मैत्री—(मित्रता)—अच्छे लोगों से मैत्री ज्यादा समय तक चलती है।
(*) नगण्य—(मामूली)—बड़े लोग नगण्य बातों पर ध्यान नहीं देते हैं।

(7) विलोम शब्द लिखिए—

जीवन—	हास—वृद्धि
अमुदिता—	स्तवन—आदेश
एकता—अनेकता	आंतरिक—बाह्य
धूमिल—प्रकाशित	बाहुल्य—न्यूनतम।

(8) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए—

राष्ट्र—राष्ट्रीयता,	विभिन्न—विभिन्नता
श्रेष्ठ—श्रेष्ठता	एक—एकता
दरिद्र—दरिद्रता	जाति—जातीयता
सम्पन्न—सम्पन्नता	हीन—हीनता

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

(23) तीर्थयात्रा

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) लाजवंती की व्याकुलता का यह कारण था कि हेमराज लाजवंती का एकमात्र सहारा था। इसके पहले उसके कई पुत्र पैदा हुए, मगर सब के सब बचपन में ही मर गए। यद्यपि हेमराज का रूप-रंग साधारण बालकों सा ही था, लेकिन माँ की ममता ने उसकी आँखों को धोखे में डाल दिया था। लाजवंती को उसकी चिंता रहती थी कि दिन-रात उसे छाती से लगाए रहती थी। मानो वह दीपक हो, जिसे बुझाने के लिए हवा के तेज झोंके बार-बार आक्रमण कर रहे हों। वह उसे छिपा-छिपाकर रखती थी कि कहीं उसे किसी की नजर न लग जाए। गाँव के लड़के प्रायः खेतों में खेलते-फिरते थे, मगर लाजवंती हेमराज को घर से बाहर न निकलने देती थी और अगर कभी वह निकल भी जाता, तो घबराकर उसे ढूँढ़ने लग जाती थी।

(ख) आस की रात बड़ी भयानक है। सावधान रहना, बुखार एकाएक उतरेगा। यह जानकारी लाजवंती के प्राण सूख गए। उसने संध्या समय थाल में घी के दीपक जलाए और मंदिर की ओर चली। लाजवंती मंदिर पहुँची और देवी के सामने देर तक रोती रही। जब थककर उसने सिर उठाया, तो उसका मुख-मंडल शांत था, जैसे तूफान शांत हो जाता है। लाजवंती ने देवी की आरती उतारी, फूल चढ़ाए, मंदिर की परिक्रमा की और प्रेम के बोझ से काँपते हुए स्वर से मनौती मानी, 'देवी माता! मेरा हेम बच जाए तो मैं तीर्थ-यात्रा करूँगी।'

(ग) लाजवंती ने बेटे के प्राण बचाने के लिए लाजवंती ने मंदिर में देवी की आरती उतारी, फूल-चढ़ाए मंदिर की परिक्रमा की और प्रेम के बोझ से काँपते हुए स्वर से मनौती मानी, 'देवी माता! होम बच जाए तो मैं तीर्थ-यात्रा करूँगी।'

(घ) लाजवंती तीर्थयात्रा पर इसलिए नहीं जा सकी क्योंकि जो पैसे उसने तीर्थयात्रा पर जाने के लिए एकत्रित किया था उसे उसने अपने पड़ोसन की बेटी की शादी में खर्च करने के लिए दे दिए।

(ङ) "जो सुख त्याग में हैं, वह ग्रहण में कहाँ? का तात्पर्य यह है कि लाजवंती अपने पड़ोसन की बेटी की शादी के लिए पैसा देने के पूर्व लाजवंती तीर्थ-यात्रा के लिए अधीर हो रही थी। वह सोचती थी कि हरिद्वार, मथुरा, वृंदावन के मंदिरों को देखकर हृदय कली की तरह खिल जाएगा।

मगर जो आनंद उसे इस समय प्राप्त हुआ, वह उस कल्पित आनंद की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़-चढ़कर था। वह दौड़ती हुई

अपने घर गयी और संदूक से दो सौ रुपए लाकर हते के सामने ढेर कर दिए। यह रुपए जमा करते समय वह प्रसन्न हुई थी, पर इस समय वह उससे भी अधिक प्रसन्न हुई। जो सुख त्याग में हैं, वह ग्रहण में कहाँ?

(2) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

(क) लाजवंती (ख) बुरी नजर (ग) मदन (घ) उतरेगा (ङ) बिल्कुल।

(3) सोच-समझकर बताइए—

(क) लाजवंती का हेमराज से अत्यधिक लगाव इसलिए था क्योंकि इसके पहले उसके कई पुत्र पैदा हुए, मगर सब के सब बचपन में ही मर गए।

(ख) हेमराज के प्रति लाजवंती का विशेष लगाव इस प्रकार झलकता था कि वह उसे दिन-रात अपने दाती से लगाए रखती थी। मानो वह दीपक हो, जिसे बुझाने के लिए हवा के तेज झोंक बार-बार आक्रमण कर रहे हैं।

(ग) हेमराज द्वारा इसलिए काँप गया था क्योंकि यह वही दिन थे, यही ऋतु थी, जब उसका पहला पुत्र मदन मरा था। वह भी इसी तरह मरा था।

(घ) लोग वैद्यजी को लुकमान इसलिए समझते थे क्योंकि वे एक अच्छे व अनुभवी वैद्य थे। सैकड़ों रोगी उनके हाथों से स्वस्थ होते थे। आस-पास की गाँवों में भी उनका अच्छा नाम था।

(ङ) लाजवंती ने तीर्थयात्रा का निश्चय इसलिए किया क्योंकि उसने हेमराज के स्वास्थ्य के बदले मंदिर में देवी से तीर्थयात्रा करने की मनौती मानी थी।

(4) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (iii) बचपन में ही (ख) (iii) अठन्नी
(ग) (iii) इक्कीस दिनों में (घ) (ii) मुल्तान
(ङ) (iii) दो सौ।

(5) स्वयं कीजिए—

(6) लिंग निर्धारित कीजिए—

लाजवंती—स्त्रीलिंग,	बरतन—पुल्लिंग
यात्रा—स्त्रीलिंग	बुखार—पुल्लिंग
वैद्य—पुल्लिंग	रात—स्त्रीलिंग
गाँव—पुल्लिंग	प्राण—पुल्लिंग
अठन्नी—स्त्रीलिंग	रामलाल—पुल्लिंग

(7) वाक्यों में प्रयुक्त स्थूल शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है? लिखिए—

बहुत—विशेषण, मधुर—विशेषण, रोता रहा—क्रिया
तेज बारिश—क्रिया—विशेषण, दरिद्र भिखारी—क्रिया—विशेषण।

(8) विशेषण बनाइए—

जोश—जोशीला	धन—धनाढ्य
अनुभव—अनुभवी	चिंता—चिंतित
नमक—नमकीला	नगर—नगरीय
काँटा—काँटीला	पिता—पितातुल्य
ईमानदारी—ईमानदारीपूर्वक	ठंड—ठंडी
नियम—नियमपूर्वक	प्यास—प्यासा

(7) विशेषणों की अवस्थाएँ बताइए—

दृष्टम—उच्चतम	विशालतर—उच्चतर
निकटता—उच्चतर	उच्चतम—उच्चतम
महत्त्वम—उच्चतम	श्रेष्ठ—उच्च
पवित्र—उच्च	लघु—उच्च
विशालता—उच्चतर	

क्रियात्मक गतिविधियाँ—स्वयं कीजिए।

पुनरावृत्ति प्रश्न-पत्र-3

(पाठ 17 से 23 पर आधारित)

अभ्यास

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) मिठाईवाला बच्चों से प्रेम इसलिए करता था क्योंकि वह इन बच्चों में अपने बच्चों की छवि देखता था।

(ख) भिक्षुक को देखकर कवि सोचते हैं कि ये तो अभिमन्यु की तरह हो सकते हैं और कवि उनके दुःख को समाप्त करने के बारे में कहते हैं।

(ग) लड़के ने सज्जन व्यक्ति को अपनापन में अपना मामा बनाया।

(घ) शिवभक्त ठेठ उत्तर की गंगोत्री से जाह्नवी-जल लेकर दक्षिणी सीमा के रामेश्वर महादेव का अभिषेक करते हैं।

(ङ) लाजवंती ने तीर्थयात्रा का निश्चय इसलिए किया क्योंकि उसने हेमराज के स्वास्थ्य के बदले मंदिर में देवी से तीर्थयात्रा करने की मनौती मानी थी।

(2) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (ii) दो पैसे (ख) (iii) भिक्षुक

(ग) (ii) वाराणसी (घ) (ii) भारत

(ङ) (iii) इक्कीस दिन

(3) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

(क) बिजली (ख) एम.पी. (ग) जातियाँ

(घ) एकमात्र (ङ) उदाहरण।

(3) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

(क) कल ही माई का चचेरा भाई गाँव से आया था।

(ख) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

(ग) देश राष्ट्रीयता का एक आवश्यक उपकरण है।

(घ) प्राचीन काल से भारतीय धर्म और साहित्य ने राष्ट्रीय एकता का पाठ पढ़ाया है।

(ङ) मगर इतना सावधान रहने पर भी हेमराज बुरी नजर से न बच सका।

आदर्श प्रश्न पत्र

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) कवि भय-संशय और अंधभक्ति के अंधकार को दूर करने वाला प्रकाश बनाना चाहता है।

(ख) देवी सरस्वती की प्रार्थना हमारे अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करने के लिए की जाती है।

(ग) धरती माता की काया आज नई एवं सुनहले रंग की हो रही है क्योंकि यहाँ की इधर-उधर की सारी कलियाँ खिल रही हैं और सभी फूल मुस्कुरा रहे हैं।

(घ) बबंडर के आने पर ब्रज के लोग इसलिए डर गए कि बालक कृष्ण की मारने के लिए कृष्णापर्व नामक राक्षस आँधी बबंडर बनकर आया था, जिनसे ब्रजवासी भयभीत हो गए थे।

(ङ) श्रीकृष्ण ने उसे गला घोटकर मार डाला था।

(2) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) (i) कोया गाँव (ख) (i) नीच

(ग) (ii) 120 (घ) (ii) पत्थर की प्याली।

(3) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए—

(क) डार्विन (ख) अक्ल (ग) ज्ञानवर्धन

(घ) बाज

(4) इन स्तंभों को मिलाइए—

(क) वास्को—डिगामा—घुमक्कड़ (ग) चेतक—स्वामिभक्त

(ख) शान्तनु—भीष्म (घ) हिरोशिमा—परमाणु बम

(5) सही के सामने (✓) एवं गलत के सामने (x) का चिह्न लगाइ—

(क) (x) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✓)

(घ) निम्न शब्दों को शुद्ध करके लिखिए—

चरित्र—चरित्र, परिवार—परिवार, कुदना—कूदना, नीकालकर—निकालकर, पहुँचना—पहुँचना, परक्रीया—प्रक्रिया।

(7) पर्यायवाची लिखिए—

आलोक—किरण सामंजस्य—तालमेल

खुशी—प्रसन्नता दौरान—दरमियान

हुलिया—वेषभूषा रूझान—रूचि

(8) विलोम शब्द लिखिए—

पुरानी—नयी साधारण—असाधारण

आवश्यक—अनावश्यक सावधान—असावधान

विदेशी—देशी मियाद—असमय

समाप्त